ISRO का तीसरा लॉन्च पैड

[स्रोत: पी.आई.बी.](#)

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने **आंध्र प्रदेश के श्रीहरिकोटा** में **भारत के पहले लॉन्चपोर्ट (दूसरा लॉन्चपोर्ट- कुलशेखरपट्टनिम)** सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र (SDSC) **में तीसरे लॉन्च पैड (TLP) की स्थापना की स्वीकृति दे दी है।**

- तीसरे लॉन्च पैड में निम्न भू कक्षा में **30,000 टन** भार वाले अंतरिक्ष यान का वहन करने की क्षमता होगी।
  - इसे **NGLV, अर्द्ध क्रायोजेनिक चरणों** वाले **LVM3 यानों और स्केल-अप NGLV** विन्यास में सहायता के लिये डिज़ाइन किया गया है।
- वर्तमान में, ISRO दो लॉन्च पैडों का उपयोग करता है, अर्थात् **प्रथम लॉन्च पैड (FLP) और द्वितीय लॉन्च पैड (SLP)।**
  - FLP को **PSLV** के लिये क्रियान्वित किया गया था तथा यह **PSLV और SSLV** दोनों के प्रक्षेपणों में सहायता प्रदान करता है।
  - SLP को मुख्य रूप से **GSLV और LVM3** के लिये स्थापित किया गया किंतु इसको **PSLV के लिये पूरक/अतिरिक्त विकल्प के रूप में भी प्रयोग में लाया जाता है।**
    - इसकी सहायता से **चंद्रयान-3 मिशन** सफलतापूर्वक प्रमोचन किया गया था और आगामी **गगनयान मिशन** की तैयारी की जा रही है।
- **भविष्य की कार्यनीति:** भारत की कार्यनीति में वर्ष **2040 तक** मानवयुक्त चंद्र लैंडिंग और वर्ष **2035 तक** भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन (BAS) स्थापित करना शामिल है, जिसके लिये ऐसे भारी प्रक्षेपण यानों की आवश्यकता होगी, जिन्हें मौजूदा पैडों में समायोजित नहीं किया जा सकता।
- **वर्ष 2024 में , वाणिज्यिक, ऑन-डिमांड और लघु उपग्रह (SSLV) प्रक्षेपणों** और **श्रीलंका के** ऊपर डॉगलेग पैंतरेबाज़ी से **बचने के लिये कुलसेकरपट्टनिम,** तमिलनाडु में ISRO के दूसरे रॉकेट लॉन्चपोर्ट की आधारशिला रखी गई।

//

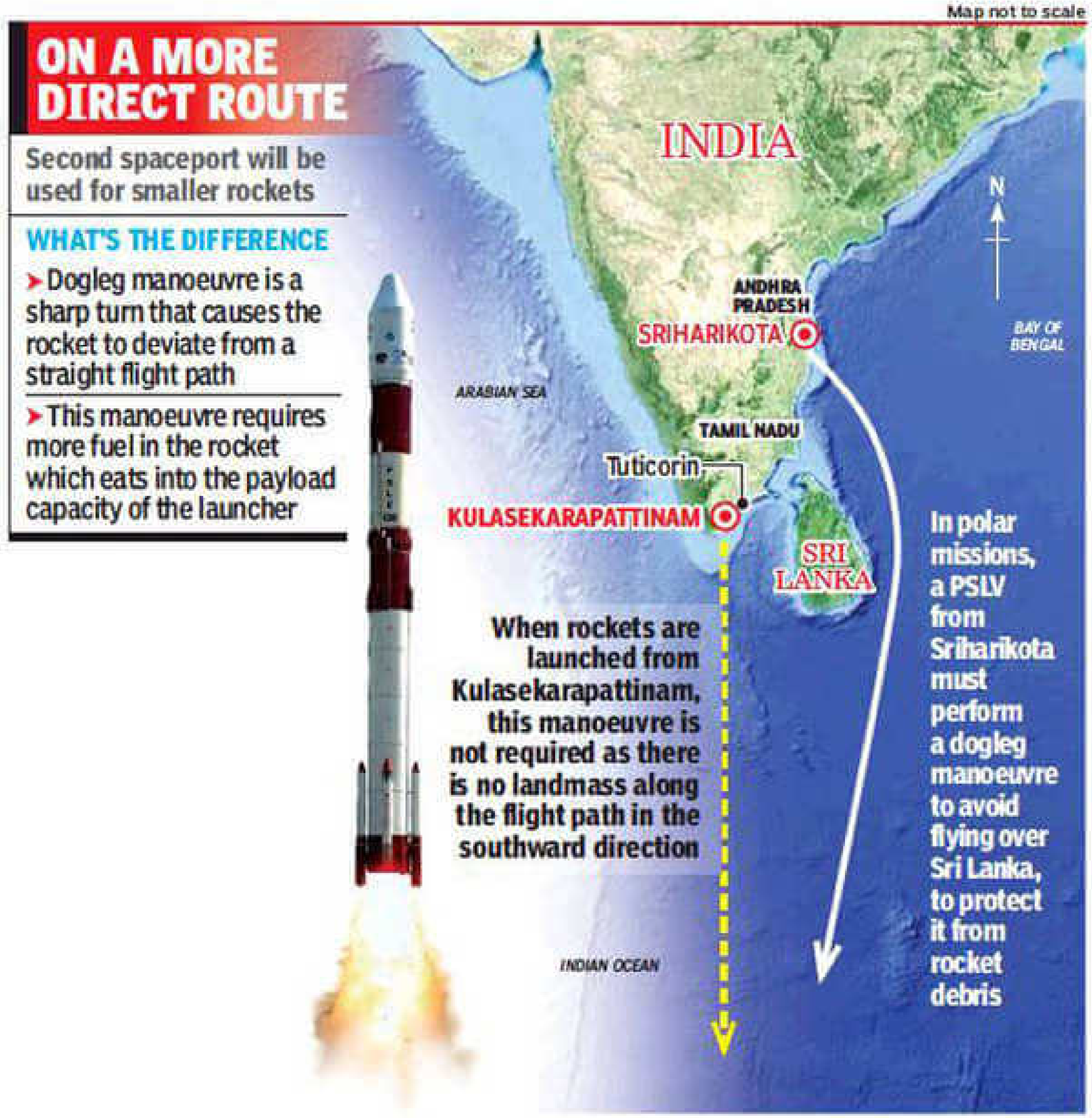

और पढ़ें: [तमलिनाडु में नया रॉकेट लॉन्चपोर्ट]()

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/isro-s-third-launch-pad